

# XII annual international conference of GERIATRIC SOCIETY of INDIA (GSCON)

---



*L to R: Dr. Sunil Bansal, Dr. Atul Kulshrestha, Dr. D. K Hazra*

**Venue:** Agra (Uttar Pradesh)

**Date:** 21<sup>st</sup> -22<sup>nd</sup> November 2015



*Dr. D. K. Hazra ( R ) and Dr. Atul Kulshrestha during the discussion*



*Delegates at the conference*



**आगरा जागरण**

www.jagran.com

## ओल्ड एज केमिकल' की पहचान, 120 साल होगी उम्र

**कैंसर की दवा से चूहे की बढ़ी उम्र, जीरिएट्रिक सोसायटी की कॉन्फ्रेंस में चर्चा**

**ये हैं केमिकल कारक**

- फ्री रेडिकल बढ़ना
- डीहाइड्रो इपीएंडोस्ट्रोन (डीएचईए) सल्फेट कम होना
- एस्कोर्बिक एसिड कम होना
- मेलोटीनिन कम होना
- पीएसए बढ़ना

**ये दी गई टिप्स**

- प्रत्येक दिन 30 मिनट टहलें और योग करें।
- तनाव रहित जिंदगी जिएं और सक्रिय रहें।
- कम से कम साढ़े छह घंटे की नींद लें।
- कम खाना खाएं, धीरे धीरे खाएं।
- ज्यादा देर अकेले ना रहें, भावनाओं को स्थिर रखें और व्यस्त रहें।

सैन्ट जोसेफ कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अमिता प्रजापत ने बताया कि ओल्ड एज में लोग केमिकल कम और फाइबर हो जाते हैं। शरीर से ओल्ड एज बढ़ने लगता है, ये बहुत रिफ्लेक्स होते हैं और शरीर की डिवाइस को प्रभावित करते हैं। साथ ही ओल्ड एज होने से बुढ़ापा आने लगता है।

**अलसी के तेल से रहने युवा**

डॉ. पद्मा राजवत द्वारा अलसी के तेल से तैयार किया गया दवा पर शोध करने वाले डॉ. अमिता प्रजापत ने बताया कि अलसी के तेल से तैयार की गई दवा ओल्ड एज को रोकने में मदद कर सकती है। डॉ. प्रजापत ने बताया कि अलसी के तेल से तैयार की गई दवा ओल्ड एज को रोकने में मदद कर सकती है।

डॉ. अमिता प्रजापत ने बताया कि ओल्ड एज को रोकने में मदद कर सकती है।

डॉ. अमिता प्रजापत ने बताया कि ओल्ड एज को रोकने में मदद कर सकती है।

डॉ. अमिता प्रजापत ने बताया कि ओल्ड एज को रोकने में मदद कर सकती है।

**आगरा** आज का दिन 1963 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कनेडी की टेक्सास राज्य के डलास में गोली मारकर मरा

# युवा नहीं अब बुजुर्गों का देश बनेगा भारत

**आगरा | राहुल गुला**

सात से 65 फीसदी युवाओं की जनसंख्या वाले अपने देश में अब तेजी से औसत आयु बढ़ रही है। वहीं बुढ़ापा और बढ़ाने के लिए कई नई दवाओं पर रिसर्च भी अंतिम दौर में है। यही नहीं डायबिटीज की तरह अब बुढ़ापा नापने वाली डिवाइस जैसे कार्यों पर भी शोध कार्य चल रहे हैं। देश के विख्यात बुजुर्ग रोग विशेषज्ञों का मानना है कि अगले 8 से 10 साल में औसत आयु 30 फीसदी तक बढ़ जाएगी।

होटल क्लार्कशिराज में जेरियाट्रिक सोसायटी ऑफ इंडिया का पहला बार आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भाग लेने आए देश के विख्यात बुढ़ापा रोग

**बदलाव**

- 10 साल तक 30 फीसदी बढ़ जाएगी औसत आयु
- बुढ़ापा नापने जैसी डिवाइस आदि के लिए चल रहे हैं शोध

**विशेषज्ञ (जेरियाट्रिशियन) एवं सोसायटी सचिव डॉ. ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि संसाधन और जागरूकता बढ़ने से अब औसत आयु लगातार बढ़ रही है। अभी तक औसत आयु 60 से 65 वर्ष की थी, जो बढ़कर 70 तक हो गई है। आने वाले समय में औसत आयु 75 से 80 तक पहुंचने का भी अनुमान है। डॉ. शर्मा ने बताया कि चिकित्सा जगत इसके लिए तैयार हो चुका है।**



डा. ओपी शर्मा।



डा. सतीश गुलाटी।

सोनीपत से आए विख्यात बुजुर्ग रोग विशेषज्ञ डॉ. सतीश कुमार गुलाटी ने बताया कि एक उम्र के बाद शरीर में सेल नष्ट होने लगते हैं, जिससे इंसान मृत्यु की तरफ जाता है, मगर शरीर में क्रोमोसोम के जरिये सेल को नष्ट होने से बचाने को कुछ दवाएं बाजार में आ चुकी हैं। इन्हें बुढ़ापा बढ़ाने वाली दवाएं भी कहते हैं। वहीं अच्छी और गुणवत्ता वाली दवाओं के लिए अभी भी

**लाल अंगूर के मालीक्यूल से बड़ी चूहों की उम्र**

जेरियाट्रिक सोसायटी ऑफ इंडिया के प्रेसीडेंट पदमश्री डॉ. डीके राजरा ने बताया कि लाल अंगूर से तैयार होने वाली रेड वाइन में 'रेसबेस्टॉल' मालीक्यूल होता है। इस मालीक्यूल से देखा गया है कि शरीर में स्फूर्ति बढ़ती है। इस मालीक्यूल से ही दवाएं बना कर चूहों पर शोध कर चुके हैं। शोध में बड़े चूहों की उम्र बढ़ी मिली है, मगर अभी सामान्य चूहों पर शोध चल रहा है। अगर यह सफल होता है तो इस मालीक्यूल का दवाएं बनाने में इस्तेमाल हो सकेगा।

**बुढ़ापा नापने की डिवाइस पर भी रिसर्च**

डॉ. पद्मा ने बताया कि जिस तरह डायबिटीज नापने की डिवाइस होती है, उसी तरह बुढ़ापा नापने की डिवाइस पर भी रिसर्च चल रहा है। वे स्वयं इस शोध कार्य में लगी हैं। इस डिवाइस के बनने के बाद से बुजुर्गों की आयु को आसानी से बढ़ाया जा सकेगा।

रिसर्च चल रही है। दवाओं को पूर्ण उपलब्धता होने के बाद लोगों को आयु को बढ़ाए में और भी अधिक आसानी से बढ़ाया जा सकेगा।